"कोविदार"

डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या

01 मई–31 मई, 2026 | विश्वविद्यालय की ई–मासिक न्यूज पत्रिका | वर्षः 01 | अंकः 11 | पृष्ठः 08

संरक्षक

कर्नल डॉ. बिजेन्द्र सिंह
कुलपति

प्रकाशक

श्री विनय कुमार सिंह
कुलसचिव

संपादक

डॉ. विजयेन्दु चतुर्वेदी
जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग

सम्पादकीय मण्डल

डॉ. राज नारायण पाण्डेय
डॉ. अनुराग सिंह
श्री क्षितिज द्विवेदी

संकलन एवं सम्पादन

शगुन जयसवाल शाम्भवी गुप्ता निहारिका सिंह, सृष्टि सोनी, विवेक वर्मा, गरिमा द्विवेदी, मानसी शुक्ला, जिज्ञाशा तिवारी, प्रिंस।

आप सुधी पाठकों के विचार सादर आमंत्रित हैं।

Avadhuniversity@gmail.com

जनभवन में कुलपति डॉ. बिजेन्द्र सिंह ने कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल से की शिष्टाचार भेंट

अयोध्या, 24 मई, 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या के कुलपति डॉ. बिजेन्द्र सिंह ने उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल से जनभवन, लखनऊ में शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर कुलपति ने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक, शोध एवं नवाचार संबंधी गतिविधियों की जानकारी कुलाधिपति महोदया को प्रदान की।

भेंट के दौरान विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के प्रभावी क्रियान्वयन, विद्यार्थियों के कौशल विकास, रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों तथा शोध की गुणवत्ता में सुधार से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। कुलपति ने विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों का संक्षिप्त विवरण भी प्रस्तुत किया।

कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन छात्रहित एवं समाजोपयोगी गतिविधियों

जनभवन, लखनऊ में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति मा. श्रीमती आनंदीबेन पटेल से शिष्टाचार भेंट करते डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या के कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह।

पटेल ने विश्वविद्यालय की प्रगति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों के समग्र विकास, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नैतिक मूल्यों तथा नवाचार आधारित शिक्षण को बढ़ावा देने पर बल दिया। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन को और अधिक प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर जनजभवन के अपर प्रमुख सचिव डॉ. सुधीर एम बोबडे सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

अवध विश्वविद्यालय में गुजरात स्थापना दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम

गुजरात की सांस्कृतिक विरासत ने विश्व पर छोड़ी अमिट छापः कुलपति डॉ. बिजेन्द्र

अयोध्या, 01 मई 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में गुजरात स्थापना दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में छात्र–छात्राओं ने गुजरात की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को विभिन्न प्रस्तुतियों के माध्यम से जीवंत कर दिया।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति ने कहा कि 1 मई 1960 को स्थापित गुजरात आज विकास, संस्कृति और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक बन चुका है। उन्होंने कहा कि गुजरात केवल एक राज्य नहीं, बल्कि संस्कार, साहस और संवेदनाओं की जीवंत परंपरा है। सोमनाथ, द्वारका, जूनागढ़ गिरनार, नरसी मेहता, मीरा तथा लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की विरासत ने देश को एकता, भक्ति और अखंडता का

गुजरात स्थापना दिवस पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम के प्रतिभागी छात्र–छात्राओं के साथ कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह एवं अन्य अतिथि।

संदेश दिया है।

कार्यक्रम में कविता पाठ, गुजराती गीत, एकल एवं समूह नृत्य, डांडिया, फैशन शो तथा सांस्कृतिक लोकमंचन आकर्षण का केंद्र रहे। प्रौढ़ एवं सतत प्रसार शिक्षा विभाग के फैशन डिजाइनिंग एवं टेक्नोलॉजी के विद्यार्थियों ने गुजरात के पारंपरिक परिधानों, टाई–डाई कला और लोक रंगों का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों को उपस्थित जनसमूह ने खूब सराहा।

कार्यक्रम का संचालन छात्रा सृजनिका मिश्रा ने तथा संयोजन अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव विनय कुमार सिंह, वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ल, प्रो. एस एस मिश्र, कला संकायाध्यक्ष प्रो. मृदुला मिश्रा, प्रो. आशुतोष सिन्हा प्रो. सी के मिश्र, प्रो. शैलेंद्र कुमार वर्मा, प्रो. फर्रुख जमाल प्रो. अनूप कुमार प्रो शैलेंद्र कुमार, प्रो. के के वर्मा, प्रो. विनोद कुमार श्रीवास्तव, प्रो. सिद्धार्थ शुक्ल, प्रो संग्राम सिंह, डॉ राणा रोहित सिंह, शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

गुजरात स्थापना दिवस पर टीबी मरीजों को वितरित की गई पोषण पोटली

पोषण और नियमित उपचार से टीबी मुक्त भारत का सपना होगा साकारः कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह

अयोध्या, 01 मई 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर गुजरात स्थापना दिवस के अवसर पर कुलाधिपति एवं प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा से कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह की अध्यक्षता में टीबी (तपेदिक) मरीजों को पोषण पोटली वितरित की गई। इस दौरान कुलपति, कुलसचिव विनय कुमार सिंह, वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ल, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक तथा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने मरीजों को पोषण सामग्री प्रदान की।

कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने कहा कि दवाओं के साथ संतुलित एवं पौष्टिक आहार टीबी से मुक्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पोषण पोटली केवल सहायता सामग्री नहीं, बल्कि मरीजों के स्वास्थ्य के प्रति विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी को मरीजों के उपचार एवं परामर्श की सतत निगरानी के निर्देश भी दिए।

गुजरात स्थापना दिवस पर विश्वविद्यालय के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में टीबी मरीजों को पोषण पोटली वितरित करते कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह, कुलसचिव विनय कुमार सिंह, वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ल एवं अन्य अधिकारी।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डॉ. दीपशिखा चौधरी ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए 120 टीबी मरीजों की नियमित निगरानी की गई, जिनमें अधिकांश मरीज पूर्णतः स्वस्थ हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि जिले में टीबी के ठीक होने की दर बढ़कर 96 प्रतिशत हो गई है।

कार्यक्रम में 25 से अधिक मरीजों को चना, मूंगफली, सत्तू एवं ग्लूकोन–डी युक्त पोषण पोटली वितरित की गई। पोषण पोटली वितरण कार्यक्रम में अमरनाथ पांडेय, पदमा देवी, सुनील यादव एवं प्रेम ने सक्रिय भूमिका निभाई। इस अवसर पर जिला टीबी अधिकारी डॉ. संदीप शुक्ला, डॉ. अरविंद, डॉ. आदित्य सहित स्वास्थ्य कर्मी एवं विश्वविद्यालय परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

गुजरात स्थापना दिवस पर मुमताज नगर में चला स्वच्छता जागरूकता अभियान

उन्नत भारत अभियान के तहत विद्यार्थियों ने दिया स्वच्छता का संदेश

अयोध्या, 01 मई 2026। अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या द्वारा गुजरात स्थापना दिवस के अवसर पर उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत गोद लिए गए गांव मुमताज नगर में स्वच्छता एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम मेंविद्यार्थियों, एनएसएस स्वयंसेवकों, शिक्षकों एवं ग्रामीणों ने बढ़–चढ़कर सहभागिता की।

मुमताज नगर में आयोजित स्वच्छता जागरूकता पदयात्रा एवं सफाई अभियान में भाग लेते विश्वविद्यालय के विद्यार्थी, एनएसएस स्वयंसेवक, शिक्षक एवं ग्रामीणजन।

कार्यक्रम के तहत जागरूकता पदयात्रा निकाली गई, जिसमें विद्यार्थियों ने स्वच्छता संबंधी नारों के माध्यम से ग्रामीणों को साफ–सफाई और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। इसके पश्चात मंदिर परिसर एवं गांव के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर श्रमदान कर स्वच्छता अभियान चलाया गया। डॉ. बिजेंद्र सिंह ने कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि जीवनशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा है। समाज की सक्रिय भागीदारी से ही स्वच्छ एवं स्वस्थ भारत के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

कार्यक्रम में उन्नत भारत अभियान के नोडल अधिकारी प्रो. सुरेन्द्र मिश्र, एनएसएस प्रभारी डॉ. दिनेश कुमार सिंह, ग्राम प्रधान शिवशंकर मौर्य, चन्द्रशेखर तिवारी सहित विश्वविद्यालय एवं विद्यालय परिवार के सदस्य तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

भारतीय ज्ञान प्रणाली और तकनीकी नवाचार पर एफडीपी में हुआ मंथन

अयोध्या, 01 मई 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में

आईक्यूएसी एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 12 दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के षष्ठम दिवस का सफल आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एआई फॉर वॉटर लिमिटेड (यूके) के निदेशक डॉ. सुदीप शुक्ला रहे। उन्होंने "टेक्नोलॉजिकल इनोवेशन ऐज इंस्पायर्ड बाय इंडियन नॉलेज सिस्टमफॉर सस्टेनेबिलिटी" विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि भारतीय ज्ञान प्रणाली केवल पारंपरिक ज्ञान नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ संतुलित जीवन का समग्र दर्शन है। उन्होंने सतत विकास के लिए पारंपरिक कृषि पद्धतियों, प्राचीन जल प्रबंधन प्रणालियों तथा आधुनिक स्मार्ट तकनीकों के समन्वय पर बल दिया। डॉ. शुक्ला ने "टाइमलेस इंजीनियरिंग" की अवधारणा को रेखांकित करते हुए स्वदेशी ज्ञान के संरक्षण और बौद्धिक संपदा अधिकारों की सुरक्षा को भी आवश्यक बताया।

कार्यक्रम में विभिन्न संस्थानों के शिक्षक शोधार्थी एवं प्रतिभागियों ने सक्रिय सहभागिता की। अंत में डॉ. आफरीन फातिमा ने मुख्य वक्ता के प्रति आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया।

बी.फार्मा सीटें बढ़ीं, एम.फार्म के दो नए पाठ्यक्रमों को भी मिली मंजूरी

अयोध्या, 8 मई 2026। अवध विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी को फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) से बड़ी उपलब्धि प्राप्त हुई है। परिषद ने बी.फार्मा में 60 के स्थान पर 100 सीटों पर प्रवेश की अनुमति प्रदान की है तथा डी.फार्मा की 60 सीटों का नवीनीकरण किया है। साथ ही विश्वविद्यालय को फार्मास्यूटिक्स एवं फार्मास्यूटिकल केमिस्ट्री विषयों में 15–15 सीटों के साथ एम.फार्म पाठ्यक्रम संचालित करने की स्वीकृति भी मिली है। कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह ने इसे गुणवत्तापूर्ण फार्मेसी शिक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

डिस्क्लेमर : ई–पत्रिका का प्रकाशन पूरी तरह से शैक्षणिक विकास को समर्पित है, इसका कोई भी व्यावसायिक हित नहीं है। सर्वाधिकार @ डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या

“कोविदार”

01 मई–31 मई, 2026, प्रथम ज्येष्ठ कृष्ण–त्रयोदशी / चतुर्दशी विक्रम संवत्–2083

गुणवत्ता मानकों के अनुरूप सभी मानकों को अंतिम रूप दें: कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह

नैक मूल्यांकन की तैयारियों को लेकर अवध विश्वविद्यालय में समीक्षा बैठक

अयोध्या, 6 मई 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक सभागार में नैक मूल्यांकन की तैयारियों को लेकर कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में नैक के विभिन्न एट्रीब्यूट एवं क्राइटेरिया की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई तथा आवश्यक सुधारों पर चर्चा की गई।

कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने एट्रीब्यूट एक से ग्यारह तक के सभी संयोजकों को निर्देशित किया कि वे अपने–अपने मानकों का सारांश तैयार कर स्वयं मूल्यांकन करें तथा आवश्यक सुधारों के साथ उन्हें अंतिम रूप दें। बैठक में फाइनेंशियल रिसोर्स रिपोर्ट, लर्निंग एंड टीचिंग, एक्टिविटी आधारित फोटोग्राफ, लर्निंग थ्रू टेक्नोलॉजी, प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग, डोमेन क्लब तथा छात्र कल्याण गतिविधियों जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं की पावर पॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से समीक्षा की गई।

कुलपति ने कहा कि नैक मूल्यांकन विश्वविद्यालय की गुणवत्ता, पारदर्शिता और शैक्षणिक उत्कृष्टता का महत्वपूर्ण मानक है। इसके लिए सभी विभागों और समितियों को समन्वित रूप से कार्य करना होगा। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों एवं शिक्षकों से निध ारित समय सीमा में आवश्यक दस्तावेज और साक्ष्य तैयार करने के निर्देश दिए।

बैठक का तकनीकी संचालन गिरीश पंत ने किया। कुलसचिव विनय कुमार सिंह, वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ल, प्रो. हिमांशु शेखर सिंह, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक, प्रो अनूप कुमार, प्रो संग्राम सिंह, डॉ. राणा रोहित सिंह, डॉ. पी के द्विवेदी, सहित आशुतोष सिन्हा, प्रो. सी के मिश्र, प्रो. शैलेंद्र कुमार, प्रो. फर्रुख जमाल, प्रो. विभिन्न समितियों के संयोजक एवं सदस्य उपस्थित रहे।

अवध विवि में नैक मूल्यांकन की तैयारियों को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक में अधिकारियों एवं शिक्षकों के साथ चर्चा करते कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह।

अवध विश्वविद्यालय की सम सेमेस्टर परीक्षाएं शुरू, दो परीक्षा केन्द्र निरस्त

औचक निरीक्षण में अनियमितता मिलने पर कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह की कड़ी कार्रवाई

अयोध्या, 05 मई 2026। अवध विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत स्नातक एवं परास्नातक सम सेमेस्टर परीक्षाएं मंगलवार से तीन पालियों में प्रारंभ हो गईं। परीक्षा के प्रथम दिन कुल. पति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने अयोध्या एवं अम्बेडकरनगर के विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान राम समुक्ष महाविद्यालय, रतनपुर (अम्बेडकरनगर) तथा कल्पना शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालय, हैदरगंज (अयोध्या) में अनियमितताएं पाए जाने पर दोनों परीक्षा केन्द्रों को तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया गया। विश्वविद्यालय प्रशासन ने संबंधित केन्द्रों के परीक्षार्थियों की परीक्षाएं अन्य निर्धारित केन्द्रों पर आयोजित कराने का निर्णय लिया है। इसके अतिरिक्त सचल दल की रिपोर्ट के आधार पर अम्बेडकरनगर के कई अन्य केन्द्रों का भी पुनर्निध ारण किया गया, जो 7 मई से प्रभावी होगा।

कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने केन्द्राध्यक्षों को शासन की मंशा के अनुरूप नकलविहीन एवं पारदर्शी परी क्षा सम्पन्न कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा की शुचिता से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

परीक्षा नियंत्रक विनय कुमार सिंह ने बताया कि परीक्षाएं सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में संचालित हो रही हैं। इस वर्ष 5,36,704 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हो रहे हैं, जिनके लिए पांच जनपदों में 472 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं। उत्तर पुस्तिकाओं के संकलन हेतु 19 नोडल केन्द्र भी निर्धारित किए गए हैं।

अम्बेडकरनगर के परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लेते कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह।

असंतुलित उपभोग पर्यावरणीय संकट का प्रमुख कारण: प्रो. अनूप कुमार सिंह

अयोध्या, 02 मई 2026। अवध विश्वविद्यालय में आईक्यूएसी एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 12 दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के सप्तम दिवस पर पीपीएन पीजी कॉलेज, कानपुर के प्राचार्य प्रो. अनूप कुमार सिंह ने "एनवायरमेंटल एथिक्स इन इंडियन फिलॉसफी एंड कंटेंपररी पॉलिसी इम्प्लीकेशन" विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि प्रकृति संरक्षण प्रत्येक व्यक्ति का नैतिक दायित्व है तथा पर्यावरणीय संकट का मुख्य कारण असंतुलित उपभोग और संसाधनों का दुरुपयोग है। उन्होंने भारतीय दर्शन, जैन धर्म के सिद्धांतों, संयम, सह–अस्तित्व और सतत विकास की अवध ारणा को पर्यावरण संरक्षण के लिए अत्यंत प्रासंगिक बताया। कार्यक्रम में शिक्षकों, शोधार्थियों ने सक्रिय सहभागिता की।

एफडीपी में जल प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण पर विशेषज्ञों ने साझा किए विचार

अयोध्या, 03 मई 2026। अवध विश्वविद्यालय में आयोजित 12 दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के अष्टम दिवस पर जल प्रबंधन एवं पर्यावरण संरक्षण विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किए गए। प्रथम सत्र में मलेशिया के डॉ. विवेक शुक्ला ने पारंपरिक जल प्रणालियों के पुनर्जीवन तथा आधुनिक तकनीकों के समन्वय पर प्रकाश डाला। द्वितीय सत्र में प्रीति राव ने जल गुणवत्ता, बायोएंजाइम के उपयोग एवं पर्यावरण संरक्षण में उसकी भूमिका पर चर्चा की। कार्यक्रम में शिक्षकों, शोधार्थियों एवं प्रतिभागियों ने सक्रिय सहभागिता की।

"कोविदार"

01 मई–31 मई, 2026, प्रथम ज्येष्ठ कृष्ण–त्रयोदशी/चतुर्दशी विक्रम संवत्–2083

भगवान श्रीकृष्ण का जीवन दर्शन आज भी मानवता का मार्गदर्शकः कुलपति डॉ. बिजेंद्र
अवध विश्वविद्यालय परिवार ने देखी 'कृष्णावतारम' फिल्म, भारतीय ज्ञान परंपरा पर हुआ विमर्श

अयोध्या, 15 मई 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह के नेतृत्व में विश्वविद्यालय परिवार के लिए विशेष सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। स्थानीय अवध मॉल स्थित सिनेमा हॉल में अधिकारियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से पौराणिक एवं सांस्कृतिक फिल्म 'कृष्णावतारम भाग–1: हृदयम' का अवलोकन किया।

इस अवसर पर कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण केवल धार्मिक प्रतीक नहीं, बल्कि "जगद्गुरु" हैं, जिनका जीवन न्याय, कूटनीति, प्रेम और धर्म की स्थापना का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि ऐसी फिल्में भारतीय ज्ञान परंपरा, नैतिक मूल्यों

स्थानीय अवध मॉल में 'कृष्णावतारम भाग–1: हृदयम' फिल्म के प्रदर्शन के दौरान कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह, विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक एवं कर्मचारी।

और सांस्कृतिक विरासत से नई पीढ़ी को जोड़ने का प्रभावी माध्यम हैं।

कुलसचिव विनय कुमार सिंह ने "यतो धर्मस्ततो जयः" के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि धर्म और ज्ञान का समन्वय समाज में संतुलन स्थापित करता है। प्रो. हिमांशु शेखर सिंह ने द्वारिका की प्राचीन वास्तुकला एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर चर्चा की, जबकि अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक ने फिल्म को भारतीय संस्कृति एवं नारी सम्मान के मूल्यों से जोड़ने वाली कृति बताया।

कार्यक्रम में शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने फिल्म की विषयवस्तु की सराहना की। इस अवसर पर वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ल, प्रो. एस एस मिश्र, प्रो. आशुतोष सिन्हा, प्रो.सीके मिश्र, प्रो. फर्रुख जमाल, उपकुलसचिव डॉ. एके गौतम, डॉ. रीमा श्रीवास्तव सहित अधिकारी, शिक्षक एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कुलपति के औचक निरीक्षण में परीक्षा कक्ष में नहीं मिला सीसीटीवी, कार्रवाई
परीक्षा की शुचिता से समझौता नहीं होगाः डॉ. बिजेंद्र सिंह

अयोध्याए 12 मई 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध

नंदिनी नगर पीजी कॉलेज, नवाबगंज (गोण्डा) में सीसीटीवी कैमरे का निरीक्षण करते कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह।

विश्वविद्यालय के कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह ने स्नातक एवं परास्नातक सम सेमेस्टर परीक्षाओं के अंतर्गत नंदिनी नगर पीजी कॉलेजए नवाबगंज यगोण्डा का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बीएससी षष्ठम सेमेस्टर रसायन विज्ञान की परीक्षा वाले कक्ष संख्या. 03 में सीसीटीवी कैमरा स्थापित नहीं पाया गयाए जिससे परीक्षा की पारदर्शिता संदिग्ध प्रतीत हुई।

कुलपति के निर्देश पर उक्त कक्ष में आगामी परीक्षाएं आयोजित करने पर रोक लगा दी गई तथा संबंधित परीक्षा का परिणाम जांच पूरी होने तक स्थगित कर दिया गया। कुलपति ने कहा कि परीक्षा की शुचिता और पारदर्शिता सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस दौरान मोहनलाल वर्मा एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, बाराबंकी एवं साकेत पीजी कॉलेज, अयोध्या का भी निरीक्षण किया गया।

ऊर्जा बचत के लिए अवध विश्वविद्यालय में लागू हुआ पांच दिवसीय कार्य सप्ताह

अयोध्या, 15 मई 2026। अवध विश्वविद्यालय ने ऊर्जा एवं ईंधन की बचत को लेकर राज्य सरकार के निर्देशों के अनुपालन में नई कार्य व्यवस्था लागू की है। कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह के निर्देश पर विश्वविद्यालय में तत्काल प्रभाव से सोमवार से शुक्रवार तक पांच दिवसीय कार्य सप्ताह लागू किया गया है, जबकि शनिवार को वर्क–फ्रॉम–होम रहेगा।

कुलसचिव विनय कुमार सिंह ने बताया कि कार्यालय का समय प्रातः 9:30 बजे से सायं 6:00 बजे तक तथा भोजनावकाश दोपहर 1:30 बजे से 2:00 बजे तक निर्धारित किया गया है। विश्वविद्यालय की परीक्षाएं एवं प्रवेश संबंधी कार्य पूर्व निर्धारित समय–सारणी के अनुसार संचालित होते रहेंगे। वर्क–फ्रॉम–होम के दौरान आवश्यकता पड़ने पर कर्मचारियों को कार्यालय बुलाया जा सकेगा तथा आवश्यकतानुसार कक्षाएं ऑनलाइन माध्यम से संचालित की जाएंगी।

नैक के सभी मानकों को समयबद्ध एवं पूर्ण रूप से तैयार करें: कुलसचिव

अयोध्या, 7 मई 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक सभागार में नैक मूल्यांकन की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह के निर्देशन में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कुलसचिव विनय कुमार सिंह एवं वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ल ने की। बैठक में एट्रीब्यूट 2, 6, 7 एवं 9 के अंतर्गत विभिन्न मानकों की प्रगति की समीक्षा की गई।

कुलसचिव ने निर्देश दिया कि नैक प्रपत्रों का कोई भी कॉलम अधूरा न छोड़ा जाए तथा सभी सर्कुलर एवं नीतिगत दस्तावेज हिंदी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं में तैयार किए जाएं। बैठक में फीडबैक प्रणाली, छात्र परामर्श, ई–गवर्नेंस, क्लब गठन तथा शोध एवं आईपीआर गतिविधियों की भी समीक्षा की गई।

एफडीपी में जैव विविधता संरक्षण और सतत विकास पर हुआ मंथन

अयोध्या, 4 मई 2026। अवध विश्वविद्यालय में आयोजित 12 दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) के नवें दिवस पर "सतत पर्यावरण प्रबंधन" विषय पर विशेषज्ञों ने विचार व्यक्त किए। प्रथम सत्र में डॉ. चंदर प्रकाश ने जैव विविधता संरक्षण में पारंपरिक ज्ञान की भूमिका पर प्रकाश डाला, जबकि द्वितीय सत्र में प्रो. वरुण छछार ने पर्यावरण संरक्षण हेतु प्रभावी नीतियों एवं विधिक प्रावधानों की आवश्यकता बताई।

कार्यक्रम में शिक्षकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता की।

मूट कोर्ट प्रतियोगिताएं विधि छात्रों को न्यायिक प्रक्रिया का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करती हैं: कुलपति डॉ. बिजेंद्र

राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता में टीआरसी लॉ कॉलेज बाराबंकी विजेता, जौनपुर की टीम उपविजेता

अंबेडकरनगर, 03 मई 2026। शहर के सोनगांव स्थित सीबी सिंह लॉ कॉलेज में आयोजित तृतीय प्रो. डॉ. शिव सहाय सिंह राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता का रविवार को भव्य समापन हुआ। समापन समारोह में देश के विभिन्न विधि महाविद्यालयों से आए प्रतिभागियों ने अपनी विधिक प्रतिभा और शोध कौशल का प्रदर्शन किया।

मुख्य अतिथि डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या के कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने कहा कि मूट कोर्ट प्रतियोगिताएं विधि छात्रों को न्यायिक प्रक्रिया, संवैधानिक मूल्यों तथा वकालत के व्यावहारिक पक्ष को समझने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन छात्रों की तर्कशक्ति, शोध क्षमता, अभिव्यक्ति कौशल और कानूनी समझ को विकसित करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को विधि के क्षेत्र में गंभीरता, अनुशासन और नैतिक मूल्यों के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। विशिष्ट अतिथि अधिवक्ता एवं पूर्व कुलपति डॉ. धर्मेंद्र सिंह सेंगर ने न्यायपालिका की गरिमा, अधिवक्ताओं के आचरण तथा न्याय व्यवस्था में नैतिकता की भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन, सरस्वती वंदना एवं संस्थापक प्रो. डॉ. शिव सहाय सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुआ।

सीबी सिंह लॉ कॉलेज, सोनगांव में आयोजित राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता के शुभारंभ पर मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलन करते कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह एवं अन्य अतिथि।

प्रतियोगिता में टीआरसी लॉ कॉलेज, बाराबंकी की टीम विजेता रही, जबकि उमानाथ सिंह विधि महाविद्यालय, जौनपुर की टीम उपविजेता बनी। बेस्ट स्पीकर का पुरस्कार सक्षम मिश्र, बेस्ट मेमोरियल अवार्ड कामता प्रसाद सुंदर लाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय तथा बेस्ट रिसर्चर का सम्मान बीएचयू के गौरव मीणा को प्रदान किया गया। कार्यक्रम में शिक्षाविदों, अधिवक्ताओं एवं विद्यार्थियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

एनसीसी कैडेट्स ने वीरता, राष्ट्रभक्ति और कर्तव्यनिष्ठा का दिया संदेश

अयोध्या, 9 मई 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय परिसर में ऑपरेशन सिंदूर की प्रथम वर्षगांठ गौरवपूर्ण वातावरण में मनाई गई। एनसीसी कैडेट्स द्वारा आयोजित 'शौर्य स्मरण' कार्यक्रम में वीर सैनिकों के साहस, समर्पण और राष्ट्रनिष्ठा को याद किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ध्वजारोहण, राष्ट्रगान एवं तिरंगे को सलामी के साथ हुआ।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण ऑपरेशन सिंदूर पर आधारित प्रेरणादायी वृत्तचित्र का प्रदर्शन रहा। वृत्तचित्र में पहलगाम आतंकी हमले से लेकर भारतीय सेना की रणनीतिक कार्रवाई और ऑपरेशन सिंदूर के विभिन्न पहलुओं को तथ्यात्मक रूप से प्रस्तुत किया गया। कैडेट्स ने राष्ट्र सुरक्षा के प्रति अपने संकल्प को दोहराते हुए देशभक्ति के नारों से वातावरण को ऊर्जावान बना दिया। यह आयोजन 65 यूपी बटालियन एनसीसी के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन 10/65 कंपनी के कमांडर कैप्टन प्रो. शैलेन्द्र कुमार वर्मा ने किया। इस अवसर पर डॉ. श्रीश अस्थाना, डॉ. अनुराग तिवारी, अंडर ऑफिसर दिव्यांशी पाठक, व्यवसाय प्रबंधन एवं उद्यमिता विभाग के शिक्षकगण तथा बड़ी संख्या में एनसीसी कैडेट्स उपस्थित रहे।

ईसीई विभाग में 'एड मैड' प्रतियोगिता का आयोजन, विद्यार्थियों ने दिखाई रचनात्मक प्रतिभा

अयोध्या, 9 मई 2026। अवध विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग के कल्चरल क्लब "स्पेक्ट्रम" द्वारा "एड मैड" प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता की थीम "मेस का खाना" रही, जिसमें विद्यार्थियों ने रचनात्मक विज्ञापन प्रस्तुतियों के माध्यम से हास्य, अभिनय और संचार कौशल का प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता में तीन टीमों ने भाग लिया और मेस भोजन को रोचक एवं मनोरंजक अंदाज में प्रस्तुत कर दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों की रचनात्मकता, टीमवर्क, नेतृत्व क्षमता तथा मंच प्रस्तुति कौशल को विकसित करना था। निर्णायक मंडल में डॉ. आशुतोष कुमार सिंह, डॉ. वंदिता एवं डॉ. मनीष सिंह शामिल रहे। इस अवसर पर इंजी. शांभवी एम. शुक्ला (समन्वयक, कल्चरल क्लब, ईसीई), डॉ. परिमल, डॉ. अनुराग तथा विभाग के शिक्षकों ने भी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया।

अवध विश्वविद्यालय में 20 दिवसीय ग्रीष्मकालीन चित्रकला कार्यशाला का शुभारंभ

कला व्यक्तित्व विकास और सृजनात्मक अभिव्यक्ति का प्रभावी माध्यम: प्रो. मृदुला मिश्रा

अयोध्या, 8 मई 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के ललित कला विभाग एवं राज्य ललित कला अकादमी, संस्कृति विभाग (उ.प्र.) के संयुक्त तत्वावधान में कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह के निर्देशन में 20 दिवसीय ग्रीष्मकालीन चित्रकला कार्यशाला का उत्साहपूर्वक शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता कला एवं मानविकी संकायाध्यक्ष प्रो. मृदुला मिश्रा ने की। उन्होंने कहा कि कला व्यक्ति को आत्मसंतोष, संयम और सृजनात्मक ऊर्जा प्रदान करती है तथा जीवन को सौंदर्यबोध से समृद्ध बनाती है।

ललित कला विभाग द्वारा आयोजित 20 दिवसीय ग्रीष्मकालीन चित्रकला कार्यशाला का शुभारंभ करतीं कला एवं मानविकी संकायाध्यक्ष प्रो. मृदुला मिश्रा।

कार्यशाला संयोजक डॉ. सरिता द्विवेदी ने बताया कि नई शिक्षा नीति के तहत आयोजित इस कार्यशाला में 70 छात्र–छात्राएं प्रतिभाग कर रहे हैं। यह कार्यशाला 8 से 27 मई तक संचालित होगी।

आयोजन सचिव एवं मुख्य प्रशिक्षक डॉ. रीमा सिंह ने प्रथम सत्र में विद्यार्थियों को भारतीय वाश पद्धति तथा रेखांकन कला की बारीकियों से परिचित कराया। उद्घाटन अवसर पर अतिथियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने कैनवास पर कलात्मक हस्ताक्षर कर कार्यशाला का शुभारंभ किया। इस अवसर पर प्रो. सुरेंद्र मिश्र, प्रो. विनोद कुमार श्रीवास्तव, प्रो. प्रिया कुमारी, डॉ. अलका श्रीवास्तव एवं सरिता सिंह सहित बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

कुलाधिपति की समीक्षा बैठक से पूर्व नैक तैयारियों का कुलपति ने लिया जायजा

नैक मानकों के अनुरूप दस्तावेज तैयार करें, कोई तैयारी अधूरी न रहेः कुलपति

अयोध्या, 11 मई 2026। अवध विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक सभागार में कुलपति

नैक मूल्यांकन की तैयारियों की समीक्षा बैठक में एट्रीब्यूट संयोजकों से प्रगति रिपोर्ट लेते कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह।

डॉ. बिजेंद्र सिंह की अध्यक्षता में नैक मूल्यांकन की तैयारियों की व्यापक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। यह बैठक कुलाधिपति एवं राज्यपाल की प्रस्तावित समीक्षा बैठक के दृष्टिगत आयोजित की गई, जिसमें एट्रीब्यूट एक से ग्यारह तक के सभी मानदंडों की प्रगति का पावर पॉइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से परीक्षण किया गया।

कुलपति ने सभी संयोजकों को निर्देशित किया कि नैक प्रस्तुतीकरण से पूर्व सभी दस्तावेजों का सत्यापन कर उन्हें मानकों के अनुरूप व्यवस्थित किया जाए। बैठक में पाठ्यक्रम, विजन एवं मिशन, फीडबैक प्रणाली, फैकल्टी गुणवत्ता, अधोसंरचना, शोध संसाधन, वित्तीय प्रबंधन, तकनीक आधारित शिक्षण, डोमेन क्लब, छात्र कल्याण गतिविधियां, संस्थागत विकास, सामुदायिक सहभागिता, जल संरक्षण एवं अपशिष्ट प्रबंधन सहित विभिन्न बिंदुओं की समीक्षा की गई।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय को उत्कृष्ट शिक्षण संस्थान के रूप में स्थापित करने के लिए सभी मानकों पर गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित किया जाए। बैठक में कुलसचिव विनय कुमार सिंह, वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ल, आईक्यूएसी निदेशक प्रो. हिमांशु शेखर सिंह, प्रो. मृदुला मिश्रा, प्रो. आशुतोष सिन्हा, फर्रुख जमाल, प्रो. अनूप कुमार सहित विभिन्न एट्रीब्यूट टीमों के सदस्य उपस्थित रहे।

एआई और डिजिटल नवाचार से रूबरू हुए छात्र

अयोध्या, 26 मई 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के प्रबंध एवं उद्यमिता विभाग के बीसीए विद्यार्थियों ने गूगल एम्बेसडर प्रोग्राम में उत्साहपूर्वक सहभागिता कर तकनीकी

नवाचार एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में शाक्षी वर्मा, आशुतोष सिंह सहित लगभग 30 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

विभागाध्यक्ष प्रो. शैलेन्द्र कुमार वर्मा ने कहा कि वर्तमान समय में तकनीकी ज्ञान और डिजिटल दक्षता विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। ऐसे कार्यक्रम छात्रों को वैश्विक तकनीकों से परिचित कराने के साथ नेतृत्व क्षमता और नवाचार को भी व्यवसाय प्रोत्साहित करते हैं। डॉ. अनुराग तिवारी ने कहा कि गूगल एम्बेसडर प्रोग्राम विद्यार्थियों को एआई, गूगल जेमिनी तथा आधुनिक डिजिटल टूल्स की उपयोगिता समझने का उत्कृष्ट अवसर प्रदान करता है। इस अवसर पर डॉ. संजीत पांडेय, पवनी रस्तोगी, पवन कुमार एवं श्याम श्रीवास्तव ने भी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। प्रतिभागी छात्रों ने कार्यक्रम को ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक बताया।

बीबीए विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित कंपनियों में समर इंटर्नशिप का अवसर

एनटीपीसी, इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक और समृद्धि पार्टनर्स में प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे छात्र

अयोध्या, 25 मई 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध

समर इंटर्नशिप हेतु चयनित बीबीए विद्यार्थियों को मार्गदर्शन देते व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभाग के शिक्षकगण।

विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभाग द्वारा बीबीए पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित संस्थानों में समर इंटर्नशिप उपलब्ध कराई गई है। कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह के निर्देशन में विभाग विद्यार्थियों को उद्योगोन्मुखी प्रशिक्षण प्रदान कर उनके कौशल विकास और रोजगार क्षमता को सुदृढ़ बनाने का कार्य कर रहा है। विभागाध्क्ष प्रो. शैलेन्द्र कुमार वर्मा ने बताया कि पाठ्यक्रम के अंतर्गत 6 से 8 सप्ताह की प्रशिक्षण अवधि अनिवार्य है। इसके तहत विद्यार्थियों को विपणन, वित्त एवं मानव संसाधन जैसे क्षेत्रों में व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया जा रहा है। डॉ. निमिष मिश्रा ने इंटर्नशिप प्रक्रिया के समन्वय एवं आवश्यक औपचारिकताओं का संचालन किया। विभाग द्वारा 37 विद्यार्थियों को इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक, 9 विद्यार्थियों को एनटीपीसी तथा 15 विद्यार्थियों को समृद्धि पार्टनर्स एलएलपी में इंटर्नशिप के लिए भेजा गया है। शेष छात्र अपने चयनित संस्थानों में प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। इस उपलब्धि पर विभाग के शिक्षकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

अवध विश्वविद्यालय का 31वां दीक्षांत समारोह 12 अगस्त को प्रस्तावित

नवीन परिसर में होगा भव्य आयोजन, प्रवेश प्रक्रिया की तैयारियां भी तेज

अयोध्या, 21 मई 2026। अवध विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक भवन सभाकक्ष में कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह की अध्यक्षता में नए शैक्षणिक सत्र के प्रवेश एवं 31वें दीक्षांत समारोह की तैयारियों को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

31वें दीक्षांत समारोह एवं नए सत्र की प्रवेश प्रक्रिया की तैयारियों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह।

बैठक में निर्णय लिया गया कि विश्वविद्यालय का 31वां दीक्षांत समारोह आगामी 12 अगस्त 2026 को आयोजित किया जाना प्रस्तावित है।

कुलपति ने निर्देश दिया कि इस वर्ष दीक्षांत समारोह का आयोजन विश्वविद्यालय के नवीन परिसर में भव्य एवं सुव्यवस्थित ढंग से किया जाए। इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। साथ ही परीक्षाओं के मूल्यांकन कार्य में तेजी लाकर परीक्षाफल शीघ्र घोषित करने पर भी जोर दिया गया। बैठक में नए सत्र की प्रवेश प्रक्रिया को सुगम और पारदर्शी बनाने के लिए विभिन्न समितियों के गठन तथा उनके दायित्वों पर विस्तृत चर्चा हुई। कुलपति ने सभी विभागों एवं समितियों को सक्रिय करते हुए प्रवेश संबंधी कार्यों को निर्धारित समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए।

बैठक में कुलसचिव विनय कुमार सिंह, वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ल, प्रो. एस.एस. मिश्र, प्रो. हिमांशु शेखर सिंह, प्रो. नीलम पाठक, प्रो. आशुतोष सिन्हा, प्रो. सिद्धार्थ शुक्ल, प्रो. एस.के. रायजादा प्रो. शैलेंद्र कुमार वर्मा प्रो. फर्रुख जमाल, प्रो. गंगाराम मिश्र, प्रो. शैलेंद्र कुमार, प्रो सुरेन्द्र मिश्र, उपकुलसचिव डॉ. ए के गौतम, डॉ. रीमा श्रीवास्तव सहित विश्वविद्यालय के अधिकारी एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

“कोविदार”

01 मई–31 मई, 2026, प्रथम ज्येष्ठ कृष्ण–त्रयोदशी/चतुर्दशी विक्रम संवत्–2083

अवध विश्वविद्यालय में जेठ के तीसरे बड़े मंगलवार पर विशाल भंडारे का आयोजन

सुंदरकांड पाठ, हनुमान आरती और प्रसाद वितरण में उमड़ी श्रद्धा

अयोध्या, 19 मई 2026। अवध विश्वविद्यालय के श्रीराम शोधपीठ में जेठ मास के तीसरे बड़े मंगलवार के पावन अवसर पर श्रद्धा, भक्ति और सेवा भाव के साथ विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने विधि–विधान से भगवान हनुमान जी के पूजन–अर्चन एवं आरती के साथ किया। आयोजन से पूर्व विश्वविद्यालय परिसर में सुंदरकांड एवं हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ हुआ, जिससे संपूर्ण वातावरण भक्तिमय हो उठा।

कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने विश्वविद्यालय परिवार, छात्र–छात्राओं तथा प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। उन्होंने शिक्षकों एवं अधिकारियों को अंगवस्त्रम और श्रीरामचरितमानस भेंट कर सम्मानित किया। इसके उपरांत कुलपति ने स्वयं श्रद्धालुओं, विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को प्रसाद वितरित कर भंडारे का शुभारंभ कराया। इस धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन में कुलसचिव विनय कुमार सिंह तथा वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ल ने भी विशेष रूप से सहभागिता करते हुए पूजन–अर्चन किया और श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया। जेठ के बड़े मंगलवार के अवसर पर प्रसाद ग्रहण करने के लिए विश्वविद्यालय परिसर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे।

श्रीराम शोधपीठ में जेठ के तीसरे बड़े मंगलवार पर पूजन–अर्चन एवं प्रसाद वितरण करते कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह एवं अधिकारीगण

इस अवसर पर प्रो. एस.एस. मिश्र, प्रो. हिमांशु शेखर सिंह, प्रो. आर.एन. राय, प्रो. आशुतोष सिन्हा, प्रो. फर्रुख जमाल, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक, प्रो. गंगाराम मिश्र, प्रो. शैलेंद्र कुमार वर्मा, प्रो. के.के. वर्मा, प्रो. शैलेंद्र कुमार, प्रो. विनोद कुमार श्रीवास्तव, प्रो. सिद्धार्थ शुक्ल, डॉ. विनोद कुमार चौधरी, डॉ. राणा रोहित सिंह, डॉ. मनीष कुमार सिंह, अधिकारी, कर्मचारी, छात्र–छात्राएं एवं स्थानीय श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

अवध विश्वविद्यालय में बड़े मंगल पर विशाल भंडारे का आयोजन

ब्रह्म बाबा स्थान पर पूजन–अर्चन के साथ श्रद्धालुओं को वितरित किया गया प्रसाद

अयोध्या, 26 मई 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के अभियंत्रण विभाग द्वारा परिसर स्थित विद्युत नियंत्रण कक्ष के पवित्र ब्रह्म बाबा स्थान पर ज्येष्ठ मास के चौथे बड़े मंगल के अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने विधि–विधान से पूजन–अर्चन कर किया। इसके उपरांत कुलसचिव विनय कुमार सिंह एवं वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ल ने श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया।

ज्येष्ठ मास के चौथे बड़े मंगल पर ब्रह्म बाबा स्थान पर आयोजित भंडारे में पूजन–अर्चन करते कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह तथा प्रसाद वितरित करते कुलसचिव विनय कुमार सिंह एवं वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ल।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में भक्तिमय वातावरण रहा और बड़ी संख्या में शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी, छात्र–छात्राएं तथा श्रद्धालु भंडारे में शामिल हुए। आयोजन में सेवा, समर्पण और सामाजिक सहभागिता का भाव देखने को मिला। कार्यक्रम में प्रो. एस.एस. मिश्र, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक, प्रो. तुहिना वर्मा, डॉ. अभिषेक सिंह, उपकुलसचिव डॉ. ए.के. गौतम, सहायक कुलसचिव बी. एन.डी. दूबे, डॉ. एस.पी. सावंत, डॉ. राजेश कुमार सिंह, शिवेंद्र तिवारी, अनूप सिंह, राजीव त्रिपाठी, संजय सिंह, गिरीश पंत, मनोज सिंह, योगेश श्रीवास्तव, डॉ. आदित्य सिंह सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर कुलपति ने दिलाई तंबाकू मुक्त कैंपस की शपथ

स्वस्थ युवा ही सशक्त राष्ट्र की नींव: डॉ. बिजेंद्र सिंह

अयोध्या, 31 मई 2026। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में कुलाधिपति एवं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा से कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंहने छात्र–छात्राओं, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को “कैंपस टोबैको फ्री” बनाने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह केवल औपचारिक शपथ नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, स्वच्छ पर्यावरण और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता है।

कुलपति ने कहा कि शैक्षणिक संस्थान समाज को दिशा देने वाले केंद्र होते हैं। यदि स्वस्थ और सशक्त राष्ट्र का निर्माण करना है तो युवाओं को व्यसनमुक्त बनाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि तंबाकू का सेवन व्यक्ति, परिवार और समाज तीनों को प्रभावित करता है, इसलिए इसके विरुद्ध जागरूकता अभियान समय की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के छात्र और शिक्षक समाज में परिवर्तन के वाहक हैं। तंबाकू मुक्त परिसर समाज को भी इस बुराई से लड़ने की प्रेरणा देगा। एक स्वस्थ कैंपस ही समृद्ध और विकसित राष्ट्र की आधारशिला बन सकता है।

इस अवसर पर मुख्य नियंता प्रो. एस.एस. मिश्र, प्रो. हिमांशु शेखर सिंह, प्रो. मृदुला मिश्रा, प्रो. आशुतोष सिन्हा, प्रो. शैलेंद्र कुमार वर्मा, प्रो. विनोद कुमार श्रीवास्तव, डॉ. अभिषेक सिंह, डॉ. राजेश कुमार सिंह, सुरेंद्र कुमार, ज्ञानेंद्र, धर्मराज, रामाशीष, एनसीसी कैडेट्स तथा विश्वविद्यालय सुरक्षा इकाई के सदस्य उपस्थित रहे।

कैंपस बुलेटिन

- अयोध्या, 06 मई, 2026: कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाएं परखी।
- अयोध्या, 07 मई, 2026: 12 दिवसीय एफडीपी का समापन, जल संरक्षण एवं सतत विकास पर विशेष बल।
- अयोध्या, 09 मई, 2026: ग्रीष्मकालीन चित्रकला कार्यशाला में विद्यार्थियों ने भारतीय चित्रण परंपरा की बारीकियां सीखीं।
- अयोध्या, 11 मई, 2026: आचार्य नरेंद्र देव महिला छात्रावास में फेयरवेल पार्टी, चांदनी बर्नी मिस फेयरवेल।
- अयोध्या, 27 मई, 2026: मनो जागरूकता सत्र में छात्राओं को मानसिक स्वास्थ्य, तनाव प्रबंधन और सकारात्मक जीवनशैली के दिए गए टिप्स।
- अयोध्या, 30 मई 2026: अवध विवि में 'आत्मनिर्भर भारत में पर्यटन उद्योग की भूमिका' विषयक विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित।

बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा को लेकर केंद्राध्यक्षों व अधिकारियों की बैठक

92 केंद्रों पर 42 हजार अभ्यर्थी देंगे परीक्षा, सीसीटीवी कैमरे से होगी निगरानी

अयोध्या, 29 मई 2026। अवध विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद प्रेक्षागृह में बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा–2026 की तैयारियों को लेकर सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टेटिक मजिस्ट्रेट, पर्यवेक्षकों एवं केंद्राध्यक्षों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। नोडल ऑफिसर एवं कुलसचिव विनय कुमार सिंह ने बताया कि 31 मई को होने वाली परीक्षा दो पालियों में कड़ी निगरानी के बीच संपन्न कराई जाएगी। प्रथम पाली सुबह 9 से 12 बजे तथा द्वितीय पाली दोपहर 2 से 5 बजे तक होगी।

नोडल समन्वयक प्रो. फर्रुख जमाल ने बताया कि परीक्षार्थियों को परीक्षा शुरू होने से एक घंटा पहले केंद्र पहुंचना होगा। प्रवेश पत्र, पहचान पत्र, बायोमेट्रिक सत्यापन एवं आइरिस स्कैन के बाद ही प्रवेश मिलेगा। सभी केंद्रों पर इलेक्ट्रॉनिक उपकरण प्रतिबंधित रहेंगे।

अयोध्या, सुल्तानपुर, अंबेडकरनगर, अमेठी और बाराबंकी के कुल 92 परीक्षा केंद्रों पर लगभग 42 हजार अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। प्रत्येक केंद्र पर स्टेटिक मजिस्ट्रेट, ऑब्जर्वर तथा सीसीटीवी एआई कैमरों की व्यवस्था की गई है। संचालन डॉ. मोहन तिवारी तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो. विश्वनाथ द्विवेदी ने किया।

बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा–2026 की तैयारियों को लेकर केंद्राध्यक्षों एवं अधिकारियों को संबोधित करते नोडल ऑफिसर एवं कुलसचिव विनय कुमार सिंह।

बैठक में केंद्र प्रतिनिधि डॉ. कमलेश, प्रो. गंगाराम मिश्र, डीआईओएस डॉ. पवन कुमार तिवारी, प्रो. बी.एन. द्विवेदी, प्रो. नीलम पाठक, प्रो. के.के. वर्मा, सीओ सिटी विकास राय सहित बड़ी संख्या में केंद्राध्यक्ष उपस्थित रहे।

कड़ी निगरानी में सम्पन्न हुई यूपी बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा

39 केंद्रों पर 89.16 प्रतिशत रही उपस्थिति, कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने किया निरीक्षण

अयोध्या, 31 मई 2026। बुन्देल खण्ड विश्वविद्यालय, झांसी द्वारा

यूपी बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा के दौरान परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करते कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह एवं अधिकारीगण।

आयोजित उत्तर प्रदेश संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा–2026 रविवार को अयोध्या जनपद के 39 परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न हुई। परीक्षा के सफल संचालन के लिए अवध विश्वविद्यालय एवं जिला प्रशासन ने व्यापक व्यवस्थाएं की थीं। दो पालियों में आयोजित परीक्षा में कुल 17,891 अभ्यर्थियों के सापेक्ष 1,940 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे, जबकि 15,951 अभ्यर्थियों ने परीक्षा में भाग लिया। इस प्रकार परीक्षा में 89.16 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की गई।

परीक्षा की शुचिता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए अवध विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने प्रथम पाली में आईईटी, नवीन परिसर स्थित चार केंद्रों सहित मुख्य परिसर के रमन भवन एवं दीक्षा–प्रचेता भवन का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। वहीं कुलसचिव एवं बीएड नोडल अधिकारी विनय कुमार सिंह, नोडल समन्वयक प्रो. फर्रुख जमाल, जनपद समन्वयक प्रो. गंगाराम मिश्र तथा केंद्र प्रतिनिधि डॉ. कमलेश ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया।

कुलसचिव विनय कुमार सिंह ने बताया कि सभी केंद्रों पर परीक्षार्थियों का प्रवेश बायोमेट्रिक सत्यापन एवं ऑनलाइन डेटा वेरिफिकेशन के बाद ही कराया गया। परीक्षा केंद्रों की लाइव रिकॉर्डिंग कंट्रोल रूम से की गई तथा सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों, पर्यवेक्षकों, स्टैटिक मजिस्ट्रेटों एवं पुलिस बल की तैनाती रही।

प्रो. फर्रुख जमाल ने बताया कि परीक्षा सुबह 9 बजे से 12 बजे तथा दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित हुई। परीक्षा की निगरानी हेतु 78 पर्यवेक्षक, 39 स्टैटिक मजिस्ट्रेट, 20 सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं केंद्र प्रतिनिधि तैनात किए गए थे। सभी केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्ण एवं सुचारु रूप से सम्पन्न हुई।

अवध विवि के कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने स्वयं श्रमदान कर दिया स्वच्छता का संदेश

अयोध्या, 31 मई 2026। अवध विश्वविद्यालय में 'क्लीन एंड ग्रीन कैंपस' की संकल्पना को साकार करने के लिए विश्वविद्यालय एवं नगर निगम अयोध्या के संयुक्त तत्वावधान में वृहद स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने किया। उन्होंने स्वयं झाड़ू

अवध विश्वविद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान के दौरान श्रमदान करते कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह एवं विश्वविद्यालय परिवार के सदस्य।

लगाकर श्रमदान किया और स्वच्छता के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी का संदेश दिया।

कुलपति ने कहा कि अयोध्या एक पावन धर्मनगरी है, जिसकी वैश्विक पहचान को देखते हुए स्वच्छता बनाए रखना हम सभी का दायित्व है। उन्होंने छात्र–छात्राओं, शिक्षकों एवं कर्मचारियों से स्वच्छता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। अभियान के तहत विश्वविद्यालय परिसर के विभिन्न विभागों, प्रशासनिक भवनों तथा मुख्य मार्गों की सघन सफाई की गई। परिसर से प्लास्टिक अपशिष्ट एवं कूड़ा–कचरे का सुरक्षित निस्तारण भी किया गया।

इस अवसर पर प्रो. एस. एस. मिश्र, प्रो. हिमांशु शेखर सिंह, प्रो. सी.के. मिश्र, प्रो. मृदुला मिश्रा, प्रो. आशुतोष सिन्हा, प्रो. शैलेंद्र कुमार वर्मा, प्रो. विनोद कुमार श्रीवास्तव, प्रो. सुरेन्द्र, डॉ. अभिषेक सिंह, डॉ. राजेश कुमार सिंह, सुरेंद्र कुमार, ज्ञानेंद्र, धर्मराज, रामाशीष, एनसीसी कैडेट्स, छात्र–छात्राएं, सुरक्षा कर्मी एवं सफाई मित्र उपस्थित रहे।